मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 85, मुंबई, शुक्रवार, 29 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

अयोध्या में दंगे की साजिश

मस्जिदों के बाहर मांस, आपत्तिजनक पर्चे फेंकने वाले निकले हिंदू

गुमराह करने के लिए पहनी जालीदार टोपी

साजिश का मास्टरमाइंड महेश कुमार मिश्रा सहित प्रत्युष श्रीवास्तव, नितिन कुमार, दीपक कुमार, बृजेश पाण्डेय, शत्रुघ्न प्रजापति, विमल पाण्डेय गिरफ्तार

पुलिस पूछताछ में पता चला कि मास्टरमाइंड महेश कुमार मिश्रा ने अपने साथियों के साथ बृजेश पांडेय के घर पर प्लानिंग की थी। महेश ने यह पर्चे लालबाग के आशीर्वाद फ्लैक्स से छपवाए थे। यहां से कुछ फ्लैक्स भी खरीदे। आरोपी प्रत्यूष श्रीवास्तव ने चौक की गुदड़ी रोड पर मो. रफीक बुक स्टोर से दो कुरान की किताब खरीदीं। पम्मी कैंप हाउस से टोपी खरीदी थीं। आकाश ने लालबाग से मांस खरीदा था। सामान को 26 अप्रैल की रात 10 बजे नाका वर्मा ढाबा पर इकट्ठा किया गया। फिर सभी बृजेश के घर आ गए। यहीं पर फ्लैक्स पर आपत्तिजनक टिप्पणियां लिखी गईं

इन लोगों का इरादा आने वाली ईद को लेकर अयोध्या में बड़े बवाल कराने की साजिश थी। जिससे माहौल खराब हो और ईद का त्योहार सकुशल संपन्न ना होने पाए।

हिंदू योद्धा संगठन का प्रमुख महेश कुमार मिश्रा है मास्टरमाइंड

इन दंगाइयों के घरों पर कब चलेगा बुलडोजर?

अयोध्या। अयोध्या में दंगा भड़काने की कोशिश का बड़ा खुलासा हुआ है। कुछ शरारती तत्वों ने जालीदार टोपी लगाकर आपत्तिजनक पर्चे और मांस के टुकड़े धार्मिक स्थलों पर फेंके। हालांकि समय रहते पुलिस ने 7 आरोपियों को दबोच लिया। सभी आरोपी हिंदू हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान को बेस्ट मीडिया पार्टनर अवार्ड से किया गया सम्मानित

मुंबई। केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट मिस एंड मिसेज इंडिया आईकॉनिक दिवा 2021 बेस्ट मीडिया पार्टनर अवार्ड से दै. मुंबई हलचल के संपादक श्री दिलशाद खान को श्रीमती कविता किशोर (केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट की संस्थापक और प्रबंध भागीदार) और श्री रेयांश शर्मा (केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट के पार्टनर) ने सम्मानित किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

धुले में बरामद हुआ हथियारों का बड़ा जखीरा

90 तलवारों और खंजर के साथ 4 गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

धुले। महाराष्ट्र के धुले में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यहां आगरा हाईवे पर एक स्कार्पियो के अंदर से 89 तलवारें और एक खंजर बरामद हुए हैं। ड्राइवर ने इन हथियारों को चित्तौड़गढ़ से जालना ले जाने की बात कबूली है। अभी तक इस मामले में 4 लोगों को अरेस्ट किया गया है। इससे पहले पुणे में भी ऐसे ही हथियार बरामद हुए थे, जो औरंगाबाद भेजे जा रहे थे। इस बड़ी बरामदगी के बाद धुले पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में हथियार किसने और किस मकसद से मंगवाए थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भारत की अपनी बात

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की दृढ़ता सबका ध्यान खींचने लगी है। भारत इन दिनों जिस भाषा या भाव में बात कर रहा है, उसे वास्तव में ऐसा ही करना चाहिए। एक स्थिर लोकतंत्र, विशाल आबादी और खुले बाजार वाले भारत को जो लाभ मिलने चाहिए, वे अभी तक नहीं मिले हैं। विदेश मंत्री की दृढ़ता न केवल लाभ दिला सकती है, बल्कि भारत की रक्षा पंक्ति को भी मजबूत कर सकती है। दरअसल, भारत की विदेश नीति वही है, जो पहले थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं और पश्चिम के देश कमजोर जमीन पर खड़े हैं। कुछ देशों का पक्षपात भारत ही नहीं, पूरी दुनिया झेलती आ रही थी, लेकिन अब ऐसे पक्षपाती देशों की नीतियां औंधे मुंह ढहने लगी हैं। ऐसे पक्षपाती देशों की नसीहत पहले हम सुन लेते थे, लेकिन अब कोई जरूरत नहीं है कि उनके कुतर्कों को सुना जाए या ऐसी नसीहतों को सुना जाए, जिस पर स्वयं पश्चिम के देश नहीं चल रहे हैं। विदेश मंत्री ने उचित ही कहा है कि भारत अपनी शर्तों पर दुनिया से रिश्ते निभाएगा और इसमें उसे किसी की सलाह की जरूरत नहीं है। रायसीना डायलॉग में उन्होंने बहुत गहरी बात कही है कि वे कौन हैं समझकर दुनिया को खुश रखने की जगह, हमें इस आधार पर दुनिया से रिश्ते बनाने चाहिए कि हम कौन हैं! दुनिया हमारे बारे में बताए और हम दुनिया से मंजूरी लें, वह दौर खत्म हो चुका है। लगे हाथ उन्होंने यह भी कह दिया कि अगले 25 वर्षों में भारत वैश्वीकरण का केंद्र होगा। यह संकल्प वाजिब है, लेकिन इसे साकार करने के लिए बुनियादी रूप से हमें मजबूत होना पडेगा। अर्थव्यवस्था की ज्यादा चिंता करना जरूरी है। जब हमारे यहां पर्याप्त निवेश होगा, भरपूर रोजगार होगा, तो अपने आप हमारे सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोतरी होगी। वैसे ऐसे सपने अनेक नेताओं ने पहले भी भारतवासियों को दिखाए हैं, लेकिन वास्तव में भारत अपने यहां आतंकवाद, अशिक्षा और गरीबी जैसी समस्या का मुकम्मल समाधान नहीं कर पा रहा है। दुनिया में भारत को एक सशक्त देश के रूप में देखा जाए, इसके लिए आत्मनिर्भरता भी बहुत जरूरी है। आत्मनिर्भरता ही हमें वैश्वीकरण के केंद्र में लाएगी। अतः विदेश मंत्री की सोच की दिशा बिल्कुल सही है, वह व्यापकता में सोच रहे हैं कि किस चीज में हम विफल रहे हैं? अपनी विफलताओं का वाजिब अध्ययन ही हमें विकास की ओर तेजी से ले जाएगा। इन दिनों यूरोपीय देश आए दिन भारत को सलाह दे रहे हैं कि वह रूस के साथ और व्यापार न करे। नए भारत के विदेश मंत्री अब बार-बार यह इशारा कर रहे हैं कि भारत को किसी से सलाह लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने चीन का नाम लिए बगैर बिल्कुल सही सवाल उठाया है कि यूरोप उस वक्त असंवेदनशील क्यों हो गया था, जब एक देश एशिया को धमका रहा था? वास्तव में, यह यूरोप के लिए जागने का समय है कि वह एशिया की ओर देखे। एशिया में भी अस्थिर सीमाएं और आतंकवाद जैसी समस्याएं खतरा बनी हुई हैं। पश्चिमी देश एशियाई देशों को केवल सलाह देकर काम चलाते आए हैं। जो देश सैन्य ताकत पर भरोसा करते हैं, वे भी भारत या एशिया के देशों को परस्पर वार्ता से विवाद सुलझाने की नसीहत देते हैं, जबकि परोक्ष रूप से विवादों की ओर से आंख मूंदकर सबके लिए समस्याएं बढ़ाते हैं। अब बदले हुए हालात में पश्चिमी देशों को भारत की जायज चिंताओं पर गौर करना ही होगा और इसकी शुरूआत शायद हो चुकी है।

ऐसा तो होना ही है और...!

सौ वर्षों का रिकॉर्ड निकालें। मानवता को झिंझोड़ने वाली आपदाओं, संघर्षों को गूगल पर खोजें तो क्या मिलेगा? यह रोना कि ऐसा तो होना ही था! होनी ही थी यूक्रेन और रूस में लड़ाई। होना ही है धर्म संघर्ष और जेहाद। मनुष्य को एक-दूसरे से लगातार लड़ते रहना है। दूसरे शब्दों में इंसान की नियति है जो वह शोषण, पॉवर भूख, विपदाओं-आपदाओं की 'सरवाईवल ऑफ द फिटेस्ट' की परीक्षा में हमेशा बैठा रहे! इससे जो जीतेंगे, वे संपन्न बनेंगे और सभ्यता बनाएंगे। सभ्यताओं के अधिपति बनेंगे, सुख भोगेंगे। अंत में वे अपने भार से पतन के शिकार होंगे। बर्बरों की तलवारों से तबाह होंगे। यह सत्य सभ्यताओं के इतिहास का लब्बोलुआब है। तभी अमेरिका यदि अफगानिस्तान से भागा तो क्या आश्चर्य! पहले सोवियत संघ भी भागा था। बर्बर से कौन सभ्य जीत सकता है? महामारी लौट आई तो क्या आश्चर्य? मनुष्य कैसे प्रकृति से जीत सकता है? क्या सत्य नहीं कि पिछली सदी, उससे पिछली सदी याकि पूरा अतीत विपदाओं-आपदाओं से भरा पड़ा है। क्या लगता नहीं कि मनुष्य प्रजाति उत्थान-पतन, विकास-विनाश के बिल्ट-इन बीज, जन्मजात जन्मपत्री को लिए हुए है! होना वहीं है जो होनी है! कलियुग में हिंदुओं को जीना ही है। निरंकुशता के पिंजरों में चाइनीज, रूसी नस्ल के लोगों को सांस लेना ही है। कितना ही मनुष्यों में भरत-मिलाप हो लेकिन भाई-भाई लड़ेंगे ही। गौर करें रूस और यूक्रेन की रिश्तेदारी पर! नौवीं सदी से नाते-रिश्ते हैं लेकिन बावजूद इसके सन् 2014 और सन 2022 में लड़ाई का अनुभव है तो वह होनी है। तो क्या अतीत से जन्मपत्री है? पृथ्वी के आठ अरब आबादी के अलग-अलग बाड़ो के अपने-अपने इतिहास की जन्मपत्री अपनी पूर्वनिर्धारित चाल लिए हुए होती हैं, जिन्हें क्रमबद्धता से बूझें तो भविष्य दिखेगा!

इतिहास से बनी जन्मपत्री कमाल की है। उससे सोचें तो हिंदुस्तान के दो टुकड़े होने ही थे। हिंदू-मुस्लिम विभाजन होना ही था। दोनों को विभाजन के बाद भी लड़ते रहना है। खंड-विखंड होना है। ऐसे ही सोवियत संघ ढहना ही था। इस्लामी जिहाद का भभका लगातार बने रहना है तो चीन की महत्वाकांक्षाएं लगातार पांव पसारते हुए होंगी। इसलिए क्यों न मानें कि सभ्यताओं के संघर्ष, नए-आधुनिक किस्म के महाभारत की आगे भी 'होनी' है। पिछले सौ वर्षों या पांच सौ सालों के मानव समाज के पोस्टमार्टम का निचोड़ बूझें। जाहिर होगा वैश्विक परिवर्तनों के कारण-प्रभाव का सत्व व मनुष्य स्वभाव एक पैटर्न लिए हुए है। वह पीढ़ी-दर-पीढ़ी जन्मपत्री में ट्रांसफर होता है। तभी इंसान होनी की नियति में जीता आया है। मानव अस्तित्व और इतिहास एक-दूसरे की झांकी हैं। इसलिए मानव समाज की जन्मपत्री सामान्य बात है। स्मृतियों का कालजयी टाइम कैपसूल है इतिहास। किसी ने ठीक कहा कि सभी लोग जिंदा इतिहास हैं। लोग वहीं भाषा बोलते हैं जो विरासत से प्राप्त है। वहीं करते हैं जो पूर्वज करते आए हैं। जीवन का जीना इतिहास से, इतिहास में और इतिहास के लिए होता है। इतिहास जीवन वास्तविकताओं की खदान है, अनिवार्यता है न कि एक ख्याल या उपयोगी विषय! यह सत्य व्यक्ति विशेष पर लागू है तो समाज, कौम, देश, सभ्यता की सामूहिकता पर भी समान रूप से लागू है। इतिहास की इतनी विवेचना इसलिए है क्योंकि मानव विकास के बाकी शास्त्रों से भले बहुत कुछ संभव हुआ हो लेकिन वह सब ज्ञात इतिहास के क्रम और कुंडली में है। उस नाते संभव है भविष्य में पृथ्वी के लोगों की कलह, संघर्ष, मारकाट, युद्ध, महायुद्ध याकि देव बनाम असुर प्रवृत्तियों के कारण और परिणामों का एक पूर्वानुमान विज्ञान बने। मनुष्य स्वभाव की अतीत की सत्यताओं पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से अलग-अलग सभ्यताओं की कमियों-खूबियों की प्रोग्रामिंग हो जाए। उसी पर फिर मानवता के भविष्य को सुरक्षित, बेहतर बनाने की प्रोग्रामिंग के कंप्यूटरकृत मॉडल भविष्यवाणी करते हुए होंगे।

क्या तब लग सकेगा होनी (यह तो होना ही था) का वैज्ञानिक पूर्वानुमान और 'होनी-अनहोनी' पहेली की सच्ची मानवशास्त्रीय या ज्योतिष विवेचना संभव? इतिहास के डायग्नोसिस से पूर्वानुमान संभव है तो इलाज भी संभव! यह मुमकिन नहीं कि मनुष्य चेतना से इतिहास मिट जाए या खत्म हो जाए। इसकी गलतफहमी में कई दार्शनिकों और विचारकों ने मानवता का बहुत नुकसान किया है। सो, अतीत मानव चेतना की सड़क है वह नहीं मिट सकती। इतिहास मर नहीं सकता। पर हां, पृथ्वी और मनुष्य जीवन यदि खत्म हो जाए तब जरूर मनुष्य और इतिहास के शव अंतरिक्ष या मृत पृथ्वी के श्मशान में छितरे होंगे। अन्यथा जब तक पृथ्वी पर मनुष्य जीवन है तब तक इतिहास से जीवन और विश्व मानविकी का जीवन है। प्रश्न है इतिहास से क्या वर्तमान का उपचार संभव है? और किस-किस पहलू में उपचार? क्या खुद इतिहास का उपचार और मनुष्य प्रकृति का? सवाल है मानव समाज और मनुष्य प्रकृति के बाड़ों को उपचार की क्या जरूरत भी है? हां, है! ताकि पृथ्वी व मनुष्य का अस्तित्व, उसका भविष्य सुरक्षित बन सके। सोचें, यदि दुनिया की आठ अरब आबादी के 95 प्रतिशत लोग भेड़-बकरी जीवन जी रहे है तो क्या यह होनी इतिहास के कारण नहीं है? पृथ्वी के सभी इंसान खोपड़ी में कमोबेश 99 प्रतिशत एक से डीएनए लिए हुए हैं बावजूद इसके मानव समाजों में फर्क है। 95 प्रतिशत गंवार बनाम पांच प्रतिशत सभ्य-स्वतंत्र जीवन का जो फर्क है वह यदि परिवेश और डीएनए के कारण है तो दोनों की प्रवृत्तियों में इतिहास भी हर समाज की सच्चाई लिए हुए है। मनुष्य-मनुष्य का फर्क डायग्नोसिस से भी जाहिर है। तब मनुष्य विकास के क्रम में पैदा शारीरिक-मानसिक अपंगता की ब्रांचों की मनुष्यता कब तक अनदेखी करेगी? क्या पता शायद इसी कारण मानवता बार-बार संकट में आती हो? क्या पता हम सब अतीत की अपंगताओं से नियति के मारे हैं और अब अपना व पृथ्वी का दोनों के अस्तित्व का संकट बना बैठे हैं? बहुसंख्यक इंसानों का झूठ, अंधकार और शोषण में लगातार जीना स्थायी संकट है। भीड़ वाली कैटल क्लास मानव त्रासदी का सत्य है। इससे सत्य-समझदारी के सामूहिक फैसले नहीं हो पाते। लोगों में न अपने से हिम्मत होती है और न सामूहिक संकल्प संभव। ऐसे लोग क्रांति, बगावत कर स्थितियां ठीक नहीं कर सकते। ये अपने पुरुषार्थ पर नहीं, बल्कि मालिक के सुपुर्द हो कर जीवन जीते हैं। ऐसी नस्ल, ऐसे लोग आंख मूंद कर मानेंगे कि पुतिन की बर्बरता व तानाशाही सही है। राष्ट्रपति किम जोंग भगवान हैं। राष्ट्रपति शी जिनफिंग उद्धारक हैं! ये नेता जो भी करें, परमाणु लड़ाई लड़ें, दुनिया का संहार करें, अपने ही लोगों को पिंजरों में रखें मगर जनता इनके तराने गाते मिलेगी। ऐसा पहले भी था, आज भी है और भविष्य की भी होनी है! पुनरावृत्ति कैसे रूके? पृथ्वी की 95 प्रतिशत मनुष्य भीड़ कैसे अंधकार से बाहर निकले? क्या संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था से समाधान संभव है? या किसी तरह के वैश्विक मॉडल, ऐप से ऐसा हो सकना संभव है कि भविष्य में वह नहीं होगा जो होता आया है! मनुष्य चेतना में नासमझी और समझदारी का मसला पेचीदा है। उसके आगे के कदम अतीत से उठते हैं। पहले से लकीर चली आ रही है। उसी पर उसका वर्तमान है। अतीत की याद अनुसार अहंकार, भय, असुरक्षा, भयाकुलता में व्यवहार है। समझदार है तो समझदारी से मनुष्य लकीर पर कल याकि भविष्य का कदम उठाएगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दै. मुंबई हलचल की खबर का असर

कौसा एमएम वैली कब्रिस्तान में मिट्टी भरनी का काम ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा किया गया शुरू

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 19 अप्रैल मंगलवार को कौसा एमएम वैली कब्रिस्तान में मिट्टी भरनी को लेकर खबर प्रकाशित की गई थी दरअसल मामला आपको बताते चलें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की महिला अध्यक्ष फरहत शेख द्वारा कौसा एमएम वैली कब्रिस्तान मैं मिट्टी भरनी के लिए आवाज उठाई गई थी की आने वाले बारिश के मौसम में कब्रिस्तान के अंदर गटर का गंदा पानी घुस जाएगा क्योंकि कब्रिस्तान सड़क से डेढ़ फीट नीचे है और इसी के चलते जो भी गटर का धंधा पानी है वह सब कब्रिस्तान में घुस जाएगा जिससे मैय्यतो की बेहुरमति होगी और उन्होंने एलान किया था कि अगर थाने मनपा प्रशासन या सत्ताधारी पार्टी कब्रिस्तान में मिट्टी भरनी में सक्षम नहीं है तो इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग द्वारा मिट्टी भरनी का काम कब्रिस्तान में किया जाएगा यह खबर दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान द्वारा प्रकाशित की गई थी खबर का असर ऐसा हुआ की गत 27 अप्रैल बुधवार को ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति के कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी ने खुद इंडियन यूनियन

मुस्लिम लिग के थाना जिला अध्यक्ष अमीन शेख को अपनी सरकारी गाड़ी में बिठाकर कौसा एमएम वैली कब्रिस्तान का पूरा जायजा लिया और यह आश्वासन दिया की इस साल कौसा एमएम वैली कब्रिस्तान में पानी नहीं भरेगा मनपा प्रशासन द्वारा 3 फीट मिट्टी भरनी का काम कब्रिस्तान में किया जाएगा जिसके चलते कब्रिस्तान सड़क से डेढ़ फुट ऊपर हो जाएगा और गटर का गंदा पानी है कब्रिस्तान में नहीं घुस पाएगा और हम कब्रिस्तान में बने पांच रास्ते की तरफ से 3 फुट का बांधकाम कर देंगे जिससे कब्रिस्तान की मिट्टी नहीं सरकेगी और यह काम हम 1 महीने के भीतर या बारिश के पहले संपन्न हो जाएगा यह आश्वासन मनपा प्रशासन के मुंब्रा प्रभाग समिति के कार्यकारी अभियंता श्री धनंजय गोसावी द्वारा दिया गया है अब देखने वाली बात तो यह है कि मुंब्रा प्रभाग समिति के कार्यकारी अभियंता श्री धनंजय गोसावी द्वारा कौसा के एमएम वैली कब्रिस्तान में मिट्टी भरनी का काम बारिश का मौसम आने से पहले पूरा किया जाएगा यह वादा उनके द्वारा किया गया है यह मनपा अधिकारी अपने वायदों पर कितने खरे उतरते हैं यह तो आने वाला समय ही बताएगा फिलहाल कौसा कब्रिस्तान मैं पहाड़ी की पीली मिट्टी भरनी करने का काम 26 अप्रैल मंगलवार से ही शुरू कर दिया गया है और छोटे बड़े मिट्टी के ढेले को छान ने वाली लोखंड की जाली भी लाकर कब्रस्तान में रख दी गई है ताकि पहाड़ी वाली पीली मिट्टी के छोटी बड़ी ढेले को छानकर कब्रिस्तान में डाला जा सके।

भिवंडी शहर में चोर ने की 12 मिनट के अंदर दो मस्जिदों में दिनदहाड़े चोरी

संवाददाता/समद खान

भिवंडी। भिवंडी शहर में बढ़ती चोरों की वारदात थमने का नाम ही नहीं ले रही है चोरों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि वह अब मस्जिदों में चोरी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। आपको बताते चलें 26 अप्रैल मंगलवार सुबह 10:03 पर कोठाहार गेट की जामा मस्जिद में चोर ने उस वक्त मोबाइल की चोरी कर ली जब लोग सुबह फजर की नमाज पढ़ने के बाद मस्जिद में रोजे की हालत में सो रहे थे तभी यह चोर

ने सोए हुए लोगों का फायदा उठाकर एक व्यक्ति का मोबाइल लेकर चंपत हो गया यही चोर द्वारा निजामपुरा बीच कि महबूब सुभानी मस्जिद में सुबह 10:15 पर रोजे की हालत में सोए हुए लोगों का मोबाइल लेकर फरार हो गया लेकिन यह दोनों चोरी की वारदातें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। गौरतलब बात यह है यह शातिर चोर चोरी करने के लिए मस्जिदों को भी नहीं छोड़ रहे हैं इससे समझा जाता है कि चोरों के हौसले दिन-ब-दिन कितने बढ़ गए हैं के धार्मिक स्थलों को भी अपना निशाना बना रहे हैं।

मुंबई: बच्ची से बलात्कार का आरोपी टैम्पो चालक गिरफ्तार

मुंबई। पूर्वी उपनगरीय घाटकोपर इलाके में एक टैम्पो चालक ने एक सात साल की बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर उससे कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने घटना के चौबीस घंटे के भीतर (बुधवार देर रात) 35 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना मंगलवार दोपहर को घटित हुई थी, जब आरोपी सचिन ने बच्ची को इलाके में अकेला देखकर उसे चॉकलेट खाने का लालच दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पीड़िता को एक सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उससे बलात्कार किया और बाद में उसे वहीं छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि एक राहगीर ने लड़की को रोता देखकर पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचित किया। उन्होंने कहा कि पीड़िता डर गई थी

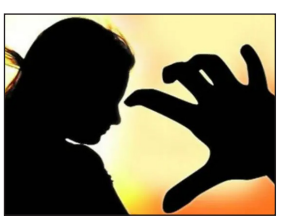

और कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं थी। अधिकारी ने कहा कि काउंसलिंग के बाद लड़की ने आपबीती सुनाई, जिसके बाद आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष दस्ते का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और उसी आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी जोन-7) प्रशांत कदम ने बताया, हमने अपराध के 24 घंटे के भीतर आरोपी को पकड़ लिया। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी के नाम कुछ अन्य मामले भी दर्ज हैं और आगे की जांच जारी है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान को बेस्ट मीडिया पार्टनर अवार्ड से किया गया सम्मानित

बता दें कि केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट मिस एंड मिसेज इंडिया आईकॉनिक दिवा 2021 अवार्ड खूबसूरत शहर गोवा में आयोजित किया गया था। इस अवार्ड कार्यक्रम में भारत भर के प्रतियोगी ताज के लिए प्रतिस्पर्धा करने और सभी का दिल जीतने के लिए एक साथ आए। कविता किशोर व रेयांश शर्मा ने दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का खुलेदिल से तारीफ किये। वहीं दिलशाद खान ने कहा कि मिस एंड मिसेज इंडिया आईकॉनिक दिवा 2021 अवार्ड के लिए मीडिया पार्टनर के रूप में केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट के साथ जुड़ना सम्मान की बात है।

अयोध्या में दंगे की साजिश

साजिश के मास्टरमाइंड का नाम महेश कुमार मिश्रा है। उसने कबूल किया है कि वह और उसके साथी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हिंसा से नाराज थे। गुरुवार को पुलिस सभी आरोपियों को मीडिया के सामने लेकर आई। मास्टरमाइंड चाहता था कि उसकी यह करतूत सीसीटीवी में कैद हो और पुलिस के हाथ भी आए। इसलिए आरोपियों ने दो ऐसी मस्जिदें चुनीं जहां सीसीटीवी लगे थे। एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि इस घटना में 11 लोग शामिल थे। मुख्य आरोपी ने अपने साथियों के साथ घटना को अंजाम दिया। फरार चल रहे 4 अन्य लोगों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपियों ने अयोध्या के मस्जिद कश्मीरी मोहल्ला, टाटशाह मस्जिद, घोसियाना रामनगर मस्जिद, ईदगाह सिविल लाइन मस्जिद और दरगाह जेल के पीछे मांस और आपत्तिजनक पोस्टर फेंके थे। कुछ जगह पर धार्मिक पुस्तक फेंककर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस ने जिस मुस्लिम धर्म गुरु से बयान लिए थे, उन्होंने रात 2 बजे चार बाइक पर 8 लोगों को देखा था। उस समय वे नमाज पढ़ने जा रहे थे। उन्होंने सबसे पहले आपत्तिजनक पोस्टर देखे और पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन के अफसरों तक ये मामला पहुंचाया। पुलिस पूछताछ में सामने आई कहानी कुछ ऐसी है कि मास्टरमाइंड महेश कुमार मिश्रा ने अपने साथियों के साथ बृजेश पांडेय के घर पर प्लानिंग की थी। महेश ने यह पर्चे लालबाग के आशीर्वाद फ्लैक्स से छपवाए थे। यहां से कुछ फ्लैक्स भी खरीदे। आरोपी प्रत्यूष श्रीवास्तव ने चौक की गुदड़ी रोड पर मो. रफीक बुक स्टोर से दो कुरान की किताब खरीदीं। पम्मी कैंप हाउस से टोपी खरीदी थीं। आकाश ने लालबाग से मांस खरीदा था। सामान को 26 अप्रैल की रात 10 बजे नाका वर्मा ढाबा पर इकट्ठा किया गया। फिर सभी बृजेश के घर आ गए। यहीं पर फ्लैक्स पर आपत्तिजनक टिप्पणियां लिखी गईं। इसके बाद सभी लोग चार बाइक पर देवकाली बाईपास होकर बेनीगंज तिराहा पहुंचे। पीवीआर (पुलिस रिस्पॉन्स व्हीकल) की गाड़ी होने से यहां वारदात नहीं कर सके। फिर कश्मीरी मोहल्ला मस्जिद में जाकर कुरान शरीफ और मांस फेंका गया। इसके बाद राजकरन स्कूल के सामने से टाटशाह मस्जिद पर उन्होंने आपत्तिजनक पर्चे और मांस फेंक दिया। फिर जेल के पीछे गुलाब शाह दरगाह पर कुरान शरीफ एवं मांस फेंका। ईदगाह सिविल लाइन, घोसियाना रामनगर मस्जिद पर भी इसी तरह से आपत्तिजनक पर्चे फेंके गए। इस घटना के सभी आरोपी अयोध्या के हैं। महेश मिश्र के खिलाफ कुल 7 एफआईआर पहले से ही दर्ज हैं। महेश कुमार मिश्रा खोजनपुर पर रहता है। प्रत्यूष श्रीवास्तव आवास विकास कालोनी में, जबकि नितिन कुमार रीडगंज हमदानी कोठी पर रहता है। दीपक कुमार गौड़ उर्फ गुंजन नाका मुरावन टोला थाना, बृजेश पांडेय हौंसिला नगर, शत्रुघ्न प्रजापति सहादतगंज कुम्हार मंडी, विमल पांडेय कुमारगंज का रहने वाला है। इस पूरे मामले में एसीएस होम अवनीश अवस्थी ने अयोध्या पुलिस को 1 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की है।

धुले में बरामद हुआ हथियारों का बड़ा जखीरा

धुले पुलिस की ओर से बताया गया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे मुंबई-आगरा हाईवे पर सोंगिर पुलिस का गश्ती वाहन गुजर रहा था। इसी दौरान इन्होंने संदिग्ध स्कॉर्पियो (MH09-CM-0015) को शिरपुर से धुले की ओर जाते देखा। पुलिस ने स्कॉर्पियो का पीछा किया और ड्राइवर को एसयूवी रोकने की चेतावनी भी दी। लेकिन वह नहीं रुका। पुलिस ने उसका पीछा करना जारी रखा और तकरीबन आधे घंटे बाद स्कॉर्पियो को सोंगिर फाटे के पास रोका गया। इसमें एक ड्राइवर समेत तीन लोग थे। जब गाड़ी की तलाशी शुरू हुई तो उसमें से 90 धारदार हथियार बरामद हुए। पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार पाटिल ने बताया कि बरामद हथियार की कीमत 7 लाख 13 हजार 600 रुपए है।

रोजा इफ्तार पार्टी से देश की एकता व अखंडता मजबूत होती है: साहेब सिंह सिंधु

संवाददाता/अजय उपाध्याय

मुंबई। अंधेरी पूर्व स्तिथ मरोल में शहीद भगत सिंह विचारमंच की तरफ से दी कियूब बेंकुइट हाल में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें सियासी समाजी व धर्म गुरुओं ने भाग लिया शहीद विचारमंच के चेयरमैन साहिब सिंह संधू में कहा कि देश मे इस समय नफरत की सियासत चल रही है और इस तरह की सियासत से मानवता ही नही बल्कि देश कमजोर होता है उन्होंने ने पवित्र अवसर पर कहा कि हमें एकता व अखंडता बनाए रखना चाहिए जिस से हमारा भगवान व खुदा खुश रहता है। मौलाना मजीबुल्लाह खान ने कहा कि रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन इस लिए किया जाता है की देश की एकता व अखंडता कायम रहे। सलीम माप खान ने कहा कि अंग्रेजों ने धर्म के नाम पर फुट डालो और हुकूमत करो कि पॉलिसी अपनाई थी वही आज देश मे चल रहा है। देश की जनता को चाहिए कि हम आपसी भाई चारा बना कर रखे। इस अवसर पर सहिद भगत सिंह विचार मंच के चेयरमैन साहब सिंह संधू, सरबजित सिंह संधू, जोरावर सिंह संधू, मौलाना मजिबुल्लाह खान, मौलाना जुबैर, सलीम मापखान, मुमताज अहमद खान, परवेज खान, युसुफ शाह, मकदुम शाह, असलम रामपुरी, बख्तियार खान, तौकिर शैख, ईसहाक मामु, इकबाल शैख, मुस्ताक, वसीम हाशमी, क्रुज परेरा, मयूर शेट्टी, निजाम भाई, सादिक भाई, मोहित भाई, मुकर्रम शैख, फिरोज खान व अन्य उपस्थित थे।

दरियादिल ग्रुप के द्वारा परिंदों के लिए परिंडा दिवस

परिंडा दिवस परिंदो के लिए परिंडा, जरा इनका भी रखो ध्यान, क्योकि इनमे भी है जान, आयोजक डॉ. अर्चना देशमुख (Hon) ने बताया परिंदों के लिए परिंडा मुहिम पूरे अप्रैल महीने चली। बहुतों ने मुहिम के तहत अपने अपने घरों मे परिंडा लगाए। परिंडा दिवस पर कई लोगों को परिंडा वितरित किए गए और संकल्प लिया कि जब जब भी हमे समय मिलेगा हम परिंडों को साफ कर के नया पानी भरेंगे ताकि पक्षियों को साफ और स्वच्छ पानी मिल सके। इस मुहिम मे लोगों ने बड़ चढकर हिस्सा लिया पूरी टीम ने साथ दिया।

फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ठीय्या आंदोलन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। चिखली सहित क्षेत्र के फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर तालुका के असली डॉक्टरों ने बुधवार शाम चार बजे से तालुका चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में धरना शुरू कर दिया है। हालांकि, चिकित्सा अधिकारियों द्वारा कार्रवाई का वादा करने के बाद आंदोलन को वापस ले लिया गया था। जिले के गांवों में फर्जी डॉक्टर न के बराबर डिग्री लगाकर मरीजों की जान से खेल रहे हैं। चिखली तहसील के दस गांवों के 55 फर्जी डॉक्टरों की सूची तालुका चिकित्सा अधिकारियों को सौंपी गई और उनके खिलाफ अभी भी कार्रवाई की जा रही है। पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. भारती पवार के दौरे के दौरान फर्जी डॉक्टरों का मुद्दा उठाया गया था। इस पर मंत्री ने जिला कलेक्टर को स्वतंत्र समिति गठित करने का निर्देश दिया था। 26 अप्रैल को फर्जी डॉक्टर दंपत्ति के खिलाफ बुलडाना में मुकदमा दर्ज कराया गया था। फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आज डॉक्टरों ने आक्रामक रुख कर आंदोलन किया गया। डॉ. आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में चिखली मेडिकल एसोसिएशन ने तालुका चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में धरना दिया। चिखली मेडिकल एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि 2018 से लिखित शिकायत दर्ज कराने के बाद भी फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस आंदोलन में कई डॉक्टर शामिल थे।

उम्मीद की किरण सलमा मेमन

मुंबई। सही मायने में समाज सेवा क्या होती है कर दिखा रही है सलमा मेमन, साजिद बुखारी और उनकी पूरी उम्मीद फाउंडेशन की टीम। सलमा मेमन बच्चों के लिए के लिए एंजेल रूप में जानी जाती है और लोगों की आशा की किरण हैं। सलमा मेमन में कोई दिखावा नहीं है, इनका काम ही इनकी पहचान है। इस महामारी में गुप्त तरीके से लगातार हजारों लोगों को खाना पहुंचाया जा रहा है, बेरोजगार जो सड़क पर है या तकलीफ में है उन परिवारों को पूरे महीने के राशन से मदद की जा रही है और सिर्फ यही नहीं लोगों को हॉस्पिटल के इलाज में, घर के अधिक जरूरत चीजों में मदद पहुंचा रही है उम्मीद फाउंडेशन द्वारा इस रमजान में भी उम्मीद फाउंडेशन की टीम ने स्पेशल रमजान किट बनाया था जिसमें पूरे महीने की सामग्री दी गई साथ ही हर रोज सहरी और इफ्तारी खिलाई जा रही है 200 से आदि बच्चों को अपने घर पर। इस महामारी के समय में सही मायने में उम्मीद की किरण बंद कर लोगों तक मदद पहुंचा रही है उम्मीद फाउंडेशन की संस्थापक सलमा मेमन, साजिद बुखारी और इनकी पूरी यंग डायनामिक टीम गौतम शर्मा, वाहअब चोगले, साहिलचोगले, फैजान शैक्ख, अनीता ताटे, अमृता ताटे और अंकुश शर्मा। सलमा मेमन का कहना है कि यह कारवां हमने अकेले शुरू किया था पर लोग इसमें जुड़ते गए अपना साथ देते गए और हम यह कारवां बढ़ाते जा पा रहे हैं। अकेले मैं शायद यह सब नहीं कर पाती पर लोगों ने हम पर इतना भरोसा जताया और हमारी अपील पर साथ दिया, हर जरूरतमंद के लिए मदद पहुंचाने में मदद की, मैं उन सभी की शुक्रगुजार हूं और साथ ही अपने परिवार अपनी मां, अपनी टीम की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने इस महामारी के समय पर भी हमारा साथ दियो यूं ही साथ देते रहिए हम सब साथ मिलकर लोगों की मदद करते रहेंगे और खुशियां फैलाते रहेंगे।

हजरत मौलाना सैयद अरशद मदनी साहब के हुक्म पर जमीअत उलमा ए हिन्द देहली के एक डेलिगेशन ने खरगोन जिले में दंगा ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ितों से मुलाकात की

संवाददाता/सय्यद रिज़वान अली

खरगोन। जमीअत उलेमा ए हिन्द के डेलिगेशन ने कन्ट्रोल रूम में खरगोन जिले के प्रभारी एस पी से मुलाकात की प्रभारी एसपी ने जमिअत उलेमा ए हिन्द के जिम्मेदारो को आश्वस्त किया कि किसी भी बे कसूर को हम परेशान नहीं होने देंगे और जमिअत उलेमा ए हिन्द के आल इन्डिया जनरल सेकेट्री सैयद मासूम साकीब साहब ने खरगोन जिले के एसपी सिध्दार्थ चौधरी से फोन पर हाल चाल पुछे एसपी साहब को इस दंगे में पैर में गोली लगी हैं और वो जेरे इलाज है और इस डेलिगेशन ने दंगे में मृतक इबरीश उर्फ सद्दाम के परिजनों से भी मुलाकात की और जमीयत उलेमा हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद अरशद मदनी साहब की तरफ से शहीद इबरीश उर्फ सद्दाम की मां को एक लाख रुपये का चेक और उसकी बेवा औरत को चार लाख रुपये का चेक जमीअत उलमा हिंद के ऑल इंडिया जनरल सेक्रेट्री सैयद मासूम साकिब साहब के हाथों से दिया गया और दंगे में घायल खरगोन

की एक मुस्लिम औरत जिन पर तलवार से हमला किया गया था जिन का इलाज इंदौर के एम वाई हॉस्पिटल में चल रहा था उनको भी हजरत की तरफ से पचास हजार रुपए का चेक दिया गया है जमीअत उलेमा ए हिन्द के जनरल सेकेट्री ने कहा कि जमीअत उलेमा ए हिन्द हमेशा बगैर किसी भेदभाव के सभी लोगों की मदद करती है जहां हम बे कसूर मुसलमानों के केस सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं वहीं हम अपने वतनी भाई गैर मुस्लिमों जो बेकसुर जैलो में बन्द है उनके भी केस लड़ रहे हैं जमीअत उलमा हिंद के इस डेलिगेशन ने खरगोन के जिम्मेदारों के साथ मिलकर शहर के हालात का जायजा लिया और जहां जहां नुकसान हुआ है उसकी एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जो दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय को पेश की जाएगी और जमीअत उलमा हिन्द ने खरगोन के तमाम लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी हर मुमकिन मदद की जाएगी और खरगोन के मामले को लेकर जमीअत उलमा ए हिंद सुप्रीम कोर्ट में केस लड़ रही है इस डेलिगेशन में दिल्ली से जमीअत उलमा ए हिन्द के ऑल इंडिया जनरल सेक्रेट्री सैयद मासूम साकीब साहब और देहली जमीअत उलेमा ए हिन्द स्टेट के जनरल सेक्रेटरी अब्दुल राजिक साहब और महाराष्ट्र जमीअत उलेमा ए हिन्द के जनरल सेकेट्री सूफी मुश्ताक साहब और मध्य प्रदेश जमीअत उलेमा ए हिन्द के जनरल सेक्रेटरी मौलाना इसहाक साहब मुफ्ती सिराज रब्बानी साहब और जमीअत उलेमा ए हिन्द के इन्दौर संभाग अध्यक्ष मौलाना उमर कासमी साहब इंदौर जमीअत उलेमा ए हिन्द के सेक्रेटरी युसूफ लाला साहब इंदौर जमीअत उलेमा ए हिन्द के शहर सदर मौलाना शमसुद्दीन साहब खण्डवा जमीअत उलेमा ए हिन्द के हाफिज तनवीर साहब खरगोन जमीअत उलेमा ए हिंद के जिला अध्यक्ष हाफिज चांद सिराजी साहब जनरल सेक्रेटरी मुफ्ती मुसब साहब जमात इस्लाहुल मुस्लिमीन के सदर अल्ताफ आजाद साहब और जमात के पूर्व सदर जनाब गुड्डू पहलवान मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री सोमेंद्र तोमर गाजियाबाद बीजेपी कार्यालय पहुंचे, 41 गायों की जलकर दर्दनाक मौत पर बिजली के अवैध कनेक्शन की शिकायत की गई

संवाददाता/रविंदर आर्य

दिनांक 28/4/2022 को ऊर्जा मंत्री सोमेंद्र तोमर गाजियाबाद बीजेपी कार्यालय में आये, रविंदर आर्य ने ऊर्जा मंत्री से 41 गायों की जलकर दर्दनाक मौत पर बिजली के अवैध कनेक्शन की शिकायत की? की इसमें इंद्रापुरम बिजली विभाग और गाँऊशाला प्रबंधन सुरज और मोसिन खान जुग्गी झोपड़ी के मालिक की लापरवाही रही है, जिससे की कनावली गाँव में 41 गाये बिजली के शॉट शर्किट से जल कर मर गयी, ये बात अभी प्रसासन द्वारा कहीं जा रही है, जब की वहां शॉट शर्किट हुआ है, जब की प्रशासन के पास कोई सबुत नहीं है, की वहां शॉट शर्किट हुआ है, सबूत के तोर में बिजली विभाग के पास कोई ऐसा रिकॉर्ड नहीं होता है, जो बता सके की वहां शॉट शर्किट हुआ था, जैसे की मीटर-ट्रिप 11 केबी से नीचे लाइट का रिकॉर्ड बिजली विभाग के पास नहीं होता है, तो प्रशासन को कैसे पता की वहां 100% शॉट शर्किट हुआ है, जब की झोपड़ियों में आग लगना आम बात है, बिजली अधिकारी एस के पांडे द्वारा पता लगा है कि वहां पर 3 साल से कोई भी बिजली कनेक्शन नहीं दिया गया तो फिर आग कैसे लगी बिजली से, आग बिजली से लगी हो या लगाई गई है, सूत्रों द्वारा पता चला है कि पास के फॉर्म हाउस से अवैध बिजली का कनेक्शन लिया गया था, सब बातें जांच का विषय है, उसके बाद भी गौशाला और झुग्गी झोपड़ियों में फायर का एक भी मानक पूरा नहीं था, जिसमे की तीन बिंदु महत्वपूर्ण होता है। फायर सेफ्टी मानक पूरे थे या नहीं। फायर सेफ्टी ऑडिट हुई या नहीं। फायर सेफ्टी एनओसी है या नहीं। गायों को जाला कर जानकर मार दीया गया, या आग लगने से मरी, परन्तु लापरवाही मे बिजली विभाग, नगर निगम, सूरज ओर मोसिन खान व अन्य हैं, ये सभी शिकायत कर्ता द्वारा सिविल कोर्ट कटघरे में एक दिन आएगी, जैसे की इसमे हमने पाया की जो बांग्लादेशी जुग्गी झोपड़ी मे रह रहे थे, उनको अर्थाला निवासी मोसिन ने बसा रखा था, लेकिन उसको भी किसने बसाया ओर ऐसे उसने अवैध बिजली काकनेक्शन प्राप्त किया? वह भी जुग्गी झोपड़ीयों मे, यह है असली जांच का विषय, जब की वहां डॉपिंग एरिया जमीन घेर कर बनाया गया जिसमे की कनावली निवासी सुरेश नागर ओर सुनील नगर जमीन का किराया लेते थे, कूड़े जमीन ओर रास्ते को लेकर सुनील नागर का सूरज से झगड़ा होता रहता था, सूरज ओर सुनील एक दूसरे को आग लगाने ओर जमीन खाली करने की धमकी देते थे, आखिरकार एक दिन ऐसा ही हो गया, जिसमे 41 गायों को तड़प-तड़प कर जला कर मारी गयी ओर दोष दे दिया गया बिजली के तारों को जो की समझ से बहार है।

कानपुर में बकरी बनी बवाल ए जान, झगड़े में कई घायल

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बकरी का घर में घुसना बवाल ए जान बन गया। उसी बात को लेकर हुए दो पक्षों के बीच झगड़े में आधा दर्जन लोग घायल हो गए जिनमें कि 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने के बाद हमलावरों की तलाश कर रही है यह मामला यहां आउट जिले के बिल्हौर थाना क्षेत्र का है। जहां मामूली विवाद में दबंगों ने एक घर पर पथराव कर कई लोगों को घायल कर दिया। घटना बिल्हौर थाना क्षेत्र के पंतनगर की है। जहां घर में बकरी जाने के मामूली विवाद में आधा दर्जन से ज्यादा दबंगों ने इलियास नाम के शख्स पर हमला बोल दिया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। इस बारे में पीड़ित इलियास का आरोप है कि पहले घर में बकरी जाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। आरोप है कि इसके बाद विरोधी पक्ष के लोग शराब पीकर घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे। इस दौरान घर में नमाज अदा की जा रही थी. जब उक्त लोगों को गाली देने से रोका गया तो उन्होंने घर पर पथराव करना शुरू कर दिया वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पा लिया। इस दौरान दबंग मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

बुलढाणा संभाग की सभी बसें सड़क पर दौड़ी, यात्रियों को मिलने लगी राहत, रोज 1018 फेरियां लगा रही हैं 331 बसें

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। एसटी निगम के राज्य सरकार में विलीनीकरण की मांग को लेकर एसटी कर्मचारी गत पांच माह से हड़ताल पर थे। इससे यात्रियों को अनेक अड़चनों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब अधिकांश कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। इससे लालपरी की सेवा फिर से पटरी पर आ गई है। बुलढाणा विभाग में रोजाना 331 बसों के जरिए 1018 फेरियां लग रही है। इनमें करीब 70 हजार यात्री रोजाना सफर कर रहे हैं। बुलढाणा विभाग में बुलढाणा, चिखली, खामगांव, मेहकर मलकापुर, शेगाव, जलगांव जामोद, डिपो शामिल है। गत पांच माह से कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से बसें धूल चाट रही थीं। निगम की ओर से बसों का नुकसान नहीं हो। इस के लिए रोजाना पांच से दस मिनट बसें शुरू करते हुए डिपो में ही चलाई जा रही थीं। कुछ बसों की बैटरियां खराब हो गई है। उनकी जगह नई बैटरियां लगाई गई है। अब बस सेवा पूर्ववत हो गई है। एक भी बस क्षतिग्रस्त नहीं हुई।कर्मचारियों की हड़ताल के कारण सात डिपो से कुछ ही ट्रेनें सड़क पर चल रही थीं। डिपो में कई बस से खड़ी थी नतीजतन, इन वाहनों की बैटरी खत्म जैसी मामूली मरम्मत के बाद अब ये बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं, कोर्ट के फैसले के बाद सभी कर्मचारी काम पर लौट आए। पिछले पांच माह से हड़ताल पर चल रहे पांच डिपो व विभागीय कार्यशालाओं के सभी कर्मचारी हाईकोर्ट के आदेश के बाद 22 अप्रैल तक काम पर लौट आए हैं। इसमें 844 ड्राइवर, 765 कंडक्टर शामिल हैं। यांत्रिक और कार्यालय कर्मचारी भी शामिल हुए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आसींद की सिद्धार्थ ग्लोबल एकेडमी का लाखों का टर्नओवर, मदद के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

भास्कर में छपी खबर गलत, स्कूल के संचालक मृतक महेन्द्र सिंह को भीलवाड़ा ले जाना तो दूर आसींद छोड़ कर कहीं नहीं गए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के आमेसर गाँव के जांबाज स्कूल बस चालक स्वर्गीय महेन्द्र सिंह रावणा राजपूत का विगत दिनों हार्टअटैक से निधन हो गया था! गौरतलब हैं कि महेन्द्र सिंह का ड्यूटी के दौरान बस द्वारा बच्चों को स्कूल ले जाते वक्त बीच रास्ते में अचानक तबियत खराब होने पर पहले उन्होंने बस को एक जगह रोक कर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया और करीब 20 बच्चों की जान बचाई थी! तत्पश्चात स्कूल में सुचित करने पर वहाँ स्कूल का मात्र एक चालक पहुँचा था, जो महेन्द्र सिंह को लेकर भीलवाड़ा स्थित महात्मा गाँधी अस्पताल पहुँचा था! भास्कर में छपी खबर में यह बात बिलकुल गलत कि स्कूल के संचालक नसीब पठान मृतक महेंद्र सिंह को भीलवाड़ा ले गए और महेंद्र सिंह ने उपचार के दौरान दम तोड़ा था जबकि नसीब पठान भीलवाड़ा जाना तो बहुत दूर वो आसींद में ही मक्खियां मार रहे थे तथा महेंद्र सिंह की मौत बीच रास्ते में धुंवाला के निकट हो गई थी! भास्कर में खबर छापने वाले पत्रकार को या तो भौगोलिक स्थिति तथा तथ्यात्मक जानकारी नहीं है या किसी के कहे अनुसार खबर छापी हैं! प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़ ने ऐसी भ्रामक तथा तथ्यहीन खबरों पर नाराजगी जाहिर की हैं! घटना वाले दिन प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ खुद मौके पर मौजूद थे जहाँ एक बस चालक के अलावा आसींद स्कूल सिद्धार्थ ग्लोबल एकेडमी का कोई भी स्टाप नहीं आया था! हम आपको बता दें कि आसींद की इस स्कूल सिद्धार्थ ग्लोबल एकेडमी का मासिक टर्नओवर लाखों में हैं जबकि मृतक महेंद्र सिंह की पत्नी को मात्र उनके मरणोपरांत मात्र पचास हजार की राशि का ही चेक दिया जो ऊंट के मुंह में जीरा समान है! गौरतलब हैं कि उक्त तुच्छ मदद करने के लिए भी स्कूल संचालक नसीब पठान विगत दो महीने से महज आजकल आजकल आश्वासन ही दे रहे थे जब अधिक दबाव डाला गया फिर ये मदद देने को राजी हुए जो 'ऊंट के मुंह में जीरा' वाली कहावत को चरितार्थ कर रही हैं, वो भी अगले दो माह की चेक पर तारीख के साथ! जब अपने स्टाप वाले के साथ ऐसी दुर्घटना कारित होती हैं तो मानवता को दरकिनार करते हुए इस तरह से पेश आती हैं जो कितनी हास्यास्पद व घृणात्मक तथा मानवता को शर्मशार करने वाली बात हैं! हम आपको बता दें कि उक्त हादसा रोड़ पर चलती हुई बस में हो जाता तो बच्चों के साथ क्या घटना घटित होती इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता हैं! इस अवसर पर इस तुच्छ मदद को देने सरपंच संघ जिलाध्यक्ष एवं कालियास सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत, सिद्धार्थ ग्लोबल एकेडमी के संचालक नसीब पठान, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. देवी लाल साहु, सुधीर शर्मा, देवेन्द्र सिंह, मनोहर सिंह, मोतीराम बेनीवाल आदि उपस्थित रहे।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के मुख्य कार्यालय तिलक नगर कॉलोनी में बैठक का आयोजन

संवाददाता/सुबहान अली

रामपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के मुख्य कार्यालय पर तिलक नगर कॉलोनी पर दोपहर 1:30 बजे एक बैठक का आयोजन कर जिला अधिकारी महोदय को ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने बताया कि जनपद रामपुर में बेरोजगारी की स्थिति में सुधार करने हेतु एवं रोजगार के भारी-भरकम अवसर जनपद रामपुर में उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष औद्योगिक जोन के स्थापना की अति आवश्यकता है। इसके लिए बिलासपुर एवं स्वार तहसील की सीमा से जुड़े हुए वन विभाग कि लगभग 2200

हेक्टेयर भूमि से भी ज्यादा भूमि खाली उपलब्ध है। जिसमें समस्त सुविधाएं व समस्त स्कीमों से युक्त औद्योगिक जोन की स्थापना हो सकती है। साथ ही रामपुर शहर में बंद पड़ी राजकीय चीनी मिल पुनः शुरू कराने की कवायद होना भी अति आवश्यक है। जिससे लाखों लोगों को रोजगार के साथ ही जनपद के किसानों को भी जबरदस्त आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर व्यापार मंडल द्वारा जनपद रामपुर में अर्थव्यवस्था को मजबूत कराने हेतु एक विशेष औद्योगिक जोन की स्थापना व चीनी मिल शुरू कराने के आदेश जारी करने की मांग की। इस अवसर पर रामनिवास पाल, सलविंदर विराट, सरदार मनजीत सिंह सिंपल, महफूज हुसैन, पुलकित अग्रवाल, प्रवीण कपूर, तरन जैन, सरदार धनवंत सिंह काका, शाहिद अली, चेतन शर्मा, विजय सैनी, नासिर सूरी, रूप सिंह सैनी, संजय सिंघल, प्रवीण गुज्जर, लालमन सैनी, राहुल सैनी, वीरेंद्र चौरसिया, हेमंत बंसल आदि उपस्थित रहे।

भारतीय गौरक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष का किया स्वागत–मुस्लिम महासभा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। मुस्लिम महासभा राजसमन्द की जिलाध्यक्ष मोहतरमा रेहाना खान पठान के निवास चाँद पोल कांकरोली पर मालवा सनसनी नियुज रिपोर्टर पत्रकार हारून कुरेशी जिलाध्यक्ष भारतीय गौरक्षा वाहिनी जिला मंदसौर मध्यप्रदेश एवम मोइनुद्दीन कुरेशी, मोहम्मद शफी कुरेशी, महमूद कुरेशी, हारून कुरेशी आदि पदाधिकारियों का शिष्टाचार भेंट कर खैरमकदम किया गया साथ ही जिलाध्यक्ष रेहाना खान द्वारा तालीम पर जोर देते हुए बताया कि आज कोम में शिक्षा के लिए गाँव–गाँव अभियान चलाया जाए जिससे बच्चों में तालीम के प्रति रुचि बढ़े।

मजलिस के नेता द्वारा किया गया ईद की शुभकामनाओं के पोस्टर का उद्घाटन

टाण्डा (रामपुर)। मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता फरीदुज्जफर ने नगरवासियों को शुभकामनाएं देने हेतू किया पोस्टर का उद्घाटन, पार्टी के विस्तार सहित निकाय चुनाव पर भी हुई चर्चा। नगर के मोहल्ला भब्बलपुरी स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वफाउर्रहमान जामई के पुत्र सईदुज्जफर रहमानी के आवास पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्टी के विस्तार एवं आने वाले निकाय चुनाव के सम्बंध में चर्चा की गई इस अवसर पर नगर वासियों को

ईद की शुभकामनाएं दीये जाने हेतू पोस्टर का उद्घाटन करने के बाद नगर के मौहल्लों एवं गलियों आदि की दीवारों पर लगाये जाने की घोषणा भी की गई। याद रहे कि नगर के ऐतिहासिक राजनीति परिवार से फरीदुज्जफर रहमानी बेरिस्टर असाद्दुदीन उवैसी की पार्टी ए आई एम आई एम से जुड़ गए हैं वह इसी पार्टी से आने वाले निकाय चुनाव में सम्भावित प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारों में से हैं। उन्होंने नगरवासियों को ईद की बधाई देते हुए नगर की जनता से आपसी भाई चारे एवं सौहार्द बनाये रखने की अपील की। इस मौके पर शराफत पहलवान, मौलाना फैजान कासमी, कारी मोहम्मद लईक, हाफिज मोहम्मद शकील, मोहम्मद फुरकान, मौलाना रफीक अहमद, अमीदुज्जफर रहमानी, आदि नगर के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

रास्ट्रीय जनता दल बुद्दिजीवी प्रकोष्ठ के जिला व प्रखंड स्तरीय संगठन विस्तार को लेकर बैठक का आयोजन

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। रास्ट्रीय जनता दल बुद्दिजीवी प्रकोष्ठ के वरीय उपाध्यक्ष डॉ पी के मिश्रा एवं प्रदेश महासचिव डॉ राहत अली के साथ सम्पन्न हुई। बैठक मे जिला अध्यक्ष डॉ सी सी नागेंद ने प्रखंड एवं जिला कार्यकरणी के अधिकारियों के साथ सदस्यता बनाने पर विचार किया गया। बैठक मे नगर परिषद चुनाव की समीक्षा की गई एवं हार पर चिंता वयक्त किया गया, संगठन विस्तार एवं सदस्य बनाने पर जोड़ दिया गया, संगठन को धारदार बनाने के लिए अनेक पहलुओं पर एजेंडे तय किए गए, वोट अधिक रहने के बाबजूद हार एक चिंतनीय विषय है कार्यकर्ता को मान सम्मान के लिए प्रत्येक महीने एक बैठक प्रत्येक प्रखंड पर करने पर विचार किया गया। इस बैठक में नए तेज तर्रार कर्मठ एवं माननीय लालू प्रसाद के विचारों से प्रेरित बुद्धिजीवियो को जोड़ने की बात प्रखंड से लेकर जिला स्तर पर शिक्षित समाज को जोड़ने की बात रखी गई, एवं अगली बैठक में बुद्दिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता (पूर्व डीजीपी)के हाथों दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर नियुक्ति पत्र सौंपा जाएग।

जयपुर में पूर्व रणजी व आईपीएल खिलाड़ी विवेक यादव की स्मृति में प्रिमियर लीग का आयोजन 5 मई से

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान पूर्व रणजी व आईपीएल खिलाड़ी विवेक यादव की स्मृति में 5 मई से जयपुर में होगा! अरावली प्रीमियर लीग का आयोजन। आईपीएल की तर्ज पर 5 मई से अरावली क्रिकेट क्लब, हाथोज में टी-20 टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा जिसमें 8 टीम हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम 7 लीग मैच खेलेगी। खिलाड़िओं के चयन के लिए ट्रायल 30 अप्रैल, शनिवार को होगा और चयनित खिलाडियों को ऑक्शन के आधार पर 01 मई, रविवार को टीमों द्वारा लिया जायेगा! इस आयोजन के लिए अभी तक प्रदेशभर से 300 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया हैं, जिसमें राजस्थान बोर्ड प्लेयर भी शमिल हैं। विजेता टीम को

51000, उप-विजेता टीम को 31000 और मैन ऑफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को एक- एक साल की स्कालरशिप भी दी जाएगी। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव गणेश नारायण शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्दी जुकाम ही नहीं बल्कि तुलसी से मिलते हैं और भी कई फायदे

तुलसी का इस्तेमाल लोग सदियों से औषधी रूप में करते आ रहे है। इसकी जड़ से लेकर बीज तक का यूज अलग-अलग बीमारियों के इलाज में किया जाता है। एंटी-ऑक्सीडेंट एंटीइंफ्लामेंट्री गुण के अलावा इसमें पोटेशियम, काबोर्हाइड्रेट, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, विटामिन्स, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे तत्व भी पाए जाते हैं, जो सेहत से लेकर ब्यूटी प्रॉब्लम्स तक के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। चलिए आज हम आपको तुलसी के कुछ फायदे और उसे इस्तेमाल करने का तरीका बताते हैं, जिसके बाद आप भी इसका इस्तेमाल शुरू कर देंगे।

तुलसी के फायदे

सर्दी-खांसी से आराम - सर्दी-खांसी व बुखार से राहत पाने के लिए तुलसी की पत्ती, अदरक और मुलेठी को पीसकर शहद के साथ खाएं। आप चाहे तो इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं।

बेहतर पाचन क्रिया - एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर तुलसी की पत्तियां चबाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती हैं और आप पेट की समस्याओं से भी बचे रहते हैं। इसके लिए रोज सुबह खाली पेट तुलसी की पत्तियां चबाएं।

स्वस्थ फेफड़ों के लिए - खाली पेट तुलसी का सेवन फेफड़ों को भी डिटॉक्स और उनतक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। साथ ही इससे लिवर भी डिटॉक्स होता है।

कैंसर से बचाव - कई शोधों में तुलसी के बीज को कैंसर के इलाज में भी कारगर बताया गया है। साथ ही रोजाना इसका सेवन शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है। ऐसे में आप भी इसे अपनी में जरूर शामिल करें।

तनाव से राहत - आजकल काम के चलते लोगों में तनाव की समस्या आम दिखाई देती हैं। ऐसे में आप रोजाना 10-12 तुलसी के पत्तों को सेवन करें। इससे दिमाग को तनाव से लड़ने की ताकत मिलेगी।

आंखों की रोशनी बढ़ाए - विटामिन ए और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण तुलसी का सेवन आंखों की रोशनी बढ़ाता है। अगर आंखों में जलन हो तो तुलसी का अर्क पीएं।

अनियमित पीरियड्स - 10 ग्राम तुलसी के बीजों को पानी में उबालकर नियमित रूप से सुबह पीएं। इससे पीरियड्स रेगुलर हो जाएंगे।

पथरी की समस्या - अगर आपको पथरी समस्या है तो तुलसी के पत्तों के अर्क में शहद मिलाकर 6 महीने नियमित रूप से लें। इससे पथरी यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाएगी।

प्रेग्नेंसी में फायदेमंद - रोजाना तुलसी का सेवन करने से प्रेग्नेंसी में महिला के शरीर में कभी खून की कमी नहीं होती। जिन महिलाएं के शरीर में इस अवस्था में एनिमिया की शिकायत हो उनको तुसली का सेवन करना चाहिए।

कान दर्द - तुलसी के पत्तों का रस हल्का गर्म कर कान में टपकाने से कान दर्द दूर हो जाता है। तुलसी के पत्ते एवं मंजर को पीसकर उसका रस 4 बूंद सूजन वाले कान में डालने से राहत मिलती है।

ग्लोइंग स्किन - तुलसी और नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। इससे झाइयां और फुंसियां ठीक होगी। साथ ही चेहरे की रंगत में निखार आएगा। साथ ही इससे सनबर्न की समस्या भी दूर होती है।

एक्ने का इलाज -10-12 तुलसी और नीम की पत्तियां के पेस्ट में 1/2 चम्मच चंदन पाउडर व 2 चम्मच गुलाबजल मिक्स करें। इसे चेहरे पर 20 मिनट लगाने से बाद ताजे पानी से साफ करें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल एक्ने और पिंपल्स से राहत दिलाएगा।

एंटी-एजिंग - एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर तुलसी त्वचा को रेजुविनेट और एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करता है। इसके लिए आप तुलसी की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 3 बार इस पैक का इस्तेमाल करें।

बालों के लिए है वरदान - तुलसी की कुछ पत्तियों को पीसकर उसमें नारियल व ऑलिव ऑयल मिलाकर स्कैल्प पर लगाएं। हफ्ते में 2 बार इस पैक का इस्तेमाल करने से ना सिर्फ बाल मजबूत व शाइनी होते हैं बल्कि इससे डैंड्रफ की समस्या भी दूर हो जाती है।

एक्ने से लेकर एंटी-एजिंग तक, त्वचा की हर समस्या का हल है कॉफी मास्क

हर किसी को चेहरे से जुड़ी कोई न कोई समस्या घेरे रहती है जिसके लिए हम महंगे से महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स भी यूज करते है लेकिन उनमें मौजूद कैमिकल्स से होने वाले साइड-इफैक्ट को नजर-अंदाज कर देते है। अगर आप भी बिना किसी नुकसान के अपनी त्वचा को सॉफ्ट व एक्ने फ्री रखना चाहती है तो आज हम आपको कॉफी मास्क लगाने की सलाह देते है। कॉफी, कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण हमारी त्वचा के लिए अच्छी होती है। एंटीऑक्सीडेंट हमारी त्वचा के फ्री रेडिकल पर हमला करते हैं और त्वचा की लोच में सुधार लाते है। चलिए जानते हैं कॉफी मास्क बनाने का तरीका और इससे होने वाले अन्य कई फायदे।

कॉफी मास्क की सामग्री

- 1 टेबलस्पून कॉफी
- 1 टेबलस्पून दही
- 1 टीस्पून शहद

कॉफी मास्क बनाने की विधि

एक बाउल में 1 टेबलस्पून कॉफी, 1 टेबलस्पून दही और शहद मिलाकर अच्छे से मास्क तैयार करें। ध्यान रखें कि सभी चीजें अच्छे से मिक्स होनी चाहिए। फिर ब्रश की मदद से इस मास्क को अपने चेहरे पर अप्लाई करें। इसे 20 मिनट तक अपने चेहरे पर रहने दें और फिर इसे सामान्य पानी से धो लें, त्वचा से गंदगी और मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए धीरे-धीरे हटाने के लिए 2 मिनट तक मालिश करें। अच्छे रिजल्ट के लिए इस मास्क को हफ्ते में 2-3 बार लगाएं। इससे स्किन हाइड्रेट होगी और चेहरे की सारी गंदगी बाहर निकल जाएंगी। साथ ही स्किन सॉफ्ट बनती है।

कॉफी मास्क के फायदे

- **स्किन एक्सफोलिएट** - इस मास्क को लगाने से स्किन के डेड सेल्स निकल जाते हैं जिससे स्किन अच्छी तरह से एक्सफोलिएट होती है। कॉफी में दाने दार कण होते हैं जो त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करते है।
- **एक्ने से निजात** - अधिकतर लोगों को बार-बार चेहरे पर एक्ने प्रॉब्लम होती है जिससे स्किन बेकार नजर आती है। ऐसे में यह कॉफी मास्क लगाएं क्योंकि इससे एक्ने दूर होते हैं। दरअसल इस मास्क में मौजूद दही में लेक्टिक एसिड होता है जिसमें मुंहासे गायब करने वाले गुण होते हैं।
- **स्किन हाइड्रेट** - त्वचा में मौजूद सभी विषैले पदार्थों को निकालने के लिए स्किन को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है, खासकर गर्मियों में। इससे त्वचा में नमी आती है और चेहरा ग्लो करता है।
- **एंटी-एजिंग** - एंटी-एजिंग से बचने के लिए भी यह मास्क बेस्ट है क्योंकि कॉफी और दही में एंटीऑक्सीडेंट के गुण होते है जो उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं और त्वचा को मजबूत करते हैं।
- **स्किन टाइटनिंग** - यह स्किन ढीली पड़ी स्किन में कसाव लाने के लिए बेस्ट हैं। शहद में जीवाणुरोधी गुण होते हैं जो आपकी स्किन को हानिकारक, त्वचा को नुकसान पहुचाने वाले बैक्टीरिया से बचा सकती है और आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करके पोषण भी देती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कियारा आडवाणी है इस स्टारकिड की दीवानी

कियारा आडवाणी इन दिनों कई वजह से सुर्खियों में बनी हुई है। एक तो हर तरफ उनके ब्रेकअप के चर्चे है वही दूसरी तरफ उनकी अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया 2 जल्द रिलीज होने वाली है। इस बीच खबर है कि कियारा जब भी उदास होती हैं तो वो एक स्टार किड की वीडियोस देख अपना मन बहला लेती है। आपको बता दे कियारा जिस बच्ची की इतनी दीवानी है वो कोई और नहीं बल्कि एक्टर जय भानुशाली की बेटी तारा है। जी हां, कियारा आडवाणी जब भी लो फील करती हैं तो वह जय भानुशाली की बेटी का वीडियो देखती हैं। ये सुनने में कुछ अजीब है लेकिन एक्ट्रेस ने खुद इसका खुलासा किया है। बता दे, तारा बेबी इन्फ्लूएंसर हैं। उसका अलग इंस्टाग्राम हैंडल है जिस पर कई प्यारे वीडियोज और फोटोज देखे जा सकते हैं। जय भानुशाली इस वक्त DID Li'l Masters Season 5 होस्ट कर रहे हैं। एक दिन वह अपनी बेटी तारा को सेट्स पर लेकर आए थे। उस दिन शो की गेस्ट जज कियारा आडवाणी थीं। उन्होंने तारा के साथ सेल्फी भी ली थी। कियारा आडवाणी को बच्चों से बेहद लगाव है। वही जय और माही की बेटी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 257K फॉलोअर्स हैं। उनके कई फैन पेज अकाउंट भी बने हुए हैं।

अभिषेक ने बताया ऐश्वर्या के साथ काम ना कर पाने की वजह

अभिषेक बच्चन न सिर्फ अमिताभ के बेटे बल्कि विश्वसुंदरी ऐश्वर्या राय के पति है। अभिषेक और ऐश्वर्या ने साथ में यूँ तो कई फिल्मो में काम किया है , 'ढाई अक्षर प्रेम' के में वह दोनों पहली बार साथ नजर आये थे। उसके बाद दोनों ने 'गुरु' , 'और 'रावण' जैसी फिल्मो में कमाल की साझेदारी निभाई। फिल्मो में दोनों की जोड़ी को खूब पसंद भी किया था। अब दशकों से भी ज्यादा का टाइम हो चूका है जब उनके फैंस ने उन्हें एक साथ बड़े परदे पर देखा हो। दोनों को एक साथ काम करते देखना चाहते है दर्शक। न सिर्फ दर्शक बल्कि अब अभिषेक ने भी कह दिया है की वह ऐश्वर्या के साथ काम करना पसंद करेंगे। ऐश्वर्या के साथ काम करने की बात पर अभिषेक ने कहा मैं उनके साथ फिर से काम करना पसंद करूँगा, लेकिन जाहिर है, सही समय पर सही स्क्रिप्ट मिलनी भी चाहिए। जब तक हमें वह नहीं मिल जाती, हम साथ में फिल्म नहीं कर सकते। लेकिन हम दोनों एक साथ काम करना पसंद करते हैं। अपनी पत्नी की फिल्मो में एक्टिंग को लेकर अभिषेक ने कहा 'वह उन एक्टर्स में से हैं जिनके लिए मेरे मन में बहुत रिस्पेक्ट है और जिनके साथ काम करने में मुझे मजा आता है। ऐशवर्या के साथ अपने पुराने शूटिंग के दिन याद करते हुए अभिषेक ने कहा की उन्हें सेट पर ऐश्वर्या के साथ काफी मजा आता था वो काफी फनी है।

मनोज बाजपेयी ने साउथ फिल्मों की सक्सेस पर तोड़ी अपनी चुप्पी

हाल ही में रिलीज हुई राजामौली की सुपरहिट फिल्म ट्रिपल आर और सुपरस्टार यश की केजीएफ2 ने सिनेमाघरों का माहौल ही बदल कर रख दिया है। इन दोनों फिल्मों के आगे कोई बॉलीवुड फिल्म टिकने का नाम नहीं ले रही है। जिसे देखते हुए एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही साउथ की फिल्मों की सफलता पर सवाल खड़ा किया था और कहा था कि यह असली सिनेमा नहीं है। हालांकि इस मामले में मनोज बाजपेयी का नजरिया उनसे थोड़ा अलग है वह इस बात से काफी खुश हैं पर इसी के साथ उन्होंने ये भी बताया है कि साउथ फिल्मों के आगे आखिर कहां और किस मामले बॉलीवुड पीछे रह गया है। हाल में अपने एक इंटरव्यू में मनोज बाजपेयी ने कहा, साउथ की फिल्में इतनी ब्लॉकबस्टर हो रही हैं, मनोज बाजपेयी और मुझ जैसों को तो छोड़ों, इन फिल्मों की सफलता ने पूरी मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। किसी को समझ नहीं आ रहा है कि कहां देखें, क्या करें। इसी के साथ उन्होंने साउथ के डायरेक्टर्स और एक्टर्स की तारीफ करते हुए कहा कि 'वो बहुत जुनूनी हैं। वो फिल्म का हर शॉट ऐसे लेते हैं मानो दुनिया का बेस्ट शॉट ले रहे हों। इसमें बहुत जुनून और सोच-विचार लगता है। वो एक बार भी दर्शकों के बारे में अपमानजनक तरीके से बात नहीं करते। वो यह नहीं कहते कि अरे दर्शक समझ जाएंगे। वो अपने दर्शकों को खूब सम्मान और प्यार देते है और उनका यही तरीका उनकी फिल्मों को हिट कराता है। एक्टर ने आगे साउथ की हालिया रिलीज 'पुष्पा: द राइज' और 'केजीएफ: चैप्टर 2' के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर आप इन दोनों फिल्मों की मेकिंग देखो तो वह एकदम बेदाग है। हर एक सीन और फ्रेम इस तरह शूट किया गया है जैसे वह उनके लिए जिंदगी और मौत वाली स्थिति थी। हममें इसी चीज की कमी है। यह मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक सीख है कि मेनस्ट्रीम सिनेमा कैसे बनाना है।